

श्रनाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3--उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं∘ 101]

नई विल्ली, मंगलवार, जुन 1, 1971/अयेध्ठ 11, 1893

No. 101]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 1, 1971/JYAISTHA 11, 1893

इस भाग में भिन्न पट्ट संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filled as a separate compilation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 1st June 1971

G.S.R. 894.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 156/65-CE, dated the 23rd September, 1965, the Central Government hereby exempts artificial or synthetic resins specified in column (2) of the Table below, falling under Item No. 15A of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of the rate-specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE						
S. No.	Description	Rate				
(1)	(2)	(3)				
Alkyd resins Maleic resins Penolic resins Nil.		Ten per cent ad valorem Fifteen per cent ad valorem				

Explanation.—For the purposes of this notification,—

- (i) the expression "alkyd resins" means synthetic resins manufactured by the interaction of polybasic acids and/or anhydrides (excluding malets acid/anhydride), polyhydric alcohols and monobasic fatty acids and includes chemically modified alkyd resins and liquid alkyd resins but does not include blends or mixtures of alkyd resins with other artificial or synthetic resins;
- (ii) the expression "maleic resins" means synthetic resins manufactured by reacting maleic acid and/or maleic anhydride with one or more of the following components, namely, polyhydric alcohol, resin, drying olls, terpenes and unsaturated hydrocarbons and includes chemically modified maleic resins but does not include blends of maleic resins with other artificial or synthetic resin; and
- (iii) the expression "phenolic resins" means synthetic resins manufactured by reacting any of the phenols with an aldehyde and includes chemically modified phenolic resins and liquid phenolic resins but does not include blends of the penolic resins with other artificial or synthetic resins.

[No. 122/71-CE/F. No. 45/11/70-CX-3-]

P. R. KRISHNAN, Under Secy.

वित मंत्रालय

(राजस्य ग्रीर बीमा विभाग)

श्रधिसूचना केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, 1 जून, 1971

सा० का० नि० 894 — केन्द्रीय उत्पाद णुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शिन्तियों का प्रयोग करते हुए, श्रीर भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्य विभाग) की श्रिष्ठिसूचना सं० 156/65—के ०उ० शु०, तारीख 23 सितम्बर, 1965 को श्रिष्ठिकांत करते हुए, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रीर नमक श्रिष्ठिनियम 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 15क के श्रन्तर्गत श्राने वाले, नीचे की सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट कृष्णिम या संशिलष्ट रालों को उसपर उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क के उतने भाग से एतद्वारा छूट देती है जितना उक्त भारणी के स्तंभ (3) में की तत्स्थानी प्रांविष्ट में विनिर्दिष्ट दर से श्रिष्ठिक है।

सारणी					
ऋम र्स०	वर्णन	दर	_		
(1)	(2)	(3)	, and the contract of the cont		
2	एलकाइड राल मलेइक राल फिनोलिक राल	कुछ नहीं मूल्यानुसार दस प्रतिशत मूल्यानुसार पन्द्रह प्रतिशत			

क्पण्टीकरण .---इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, ----

- (i) "एलकाइड राल" पद से वह संश्लिष्टि राल ग्रिभिग्नेत है जिसका विनिर्माण बहु-कार की ग्रम्लों ग्रौर/या एनहाइड्राइडों (मलेइक श्रम्ल/ एनहाइड्राइ को छोड़ कर पोली— हाइड्रिक ऐंनकोहलों ग्रौर एक क्षार की वसा—ग्रम्लों की पारस्परिक किया से होता है नथा इसके ग्रन्तर्गत रसायनिक रूप से ग्रोधित एलकाइड राल ग्रौर द्रव एलकाइड रालहें, किन्तु एलकाइड रालों के ग्रन्य कृतिम संश्लिष्ट रालों के साथ के समिश्रग्र या मिश्रण नहीं है;
- (ii) "मलेइक राल" पद से वह संक्षिलघ्ट राल ग्रमिप्रेत है जिसका विनिम्ण मलेइक श्रम्ल ग्रौर/या मलेइक एनहाइड्राइड का निम्नलिखित एक या एक से ग्रधिक संघटकों के साथ प्रतिक्रिया करने से होता है, श्रर्था पोलीहाइड्रिक एलकोहल, राल, सूखने वाले तेल, टर्पेन्स तथा श्रर्सतृष्ट्व होइड्रोकार्वन; श्रौर जिसके श्रन्तर्गत रासायनिक प से शोधित मलेइक राल है, किन्तू मलेइक रालों के ग्रन्थ कृतिमम या संक्लिष्ट रालों के साथ को सम्मिश्रण नहीं है, ग्रौर
- (iii) "फिनोलिक राल" पद से वह संग्लिष्ट राल श्रिभिन्नेत है, जिनका विनिर्माण किसी भी फिनोल का एलिङहाइड के साथ प्रतिक्रिया करने से होता है और जिनके श्रन्तर्गत रासा— यिनक रुप से शोधित फिनोलिक राल श्रीर द्रव फिनोलिक राल है किन्तु फिनोलिक रालों के अन्य कृतिम या सीग्लिष्ट रालों के साथ के सम्मिश्रण नहीं।

[सं० 122/71-के० उ० मु०/फा० सं० 45/11/70-सी० एक्स०-3] पी० भार० कृष्णन, भ्रषर सचिव।